राजधानी
वर्ष 11 | अंक 116 | पृष्ठ : 16+8=24
मूल्य : तीन रुपये

7 राज्य + 1 केंद्रशासित प्रदेश + 20 संस्करण

अमर उजाला

लखनऊ
मंगलवार, 23 अक्तूबर 2018

नदियों को साफ रखने को सेप्टाज प्रबंधन जरूरी

सीएसई के साथ काम कर रहा नगर विकास विभाग

लखनऊ। शहरों में सेप्टिक टैंक के मल-मूत्र (सेप्टाज) का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन बहुत जरूरी है। अधिकतर घरों में बने टैंक का प्रवाह या तो किसी खुले नाले में जाता है या फिर उसे कहीं भी फेंक दिया जाता है। जबकि इसका निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए। फिर इसे और कम्पोस्ट को मिलाकर खेतों में डाला जाए। इससे खेतों की उर्वर क्षमता बढ़ेगी और फसलों को फायदा होगा। कुपोषण दूर होगा। नदियों को गंदगी से मुक्ति मिल जाएगी। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरमेंट (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण ने सोमवार को यूपी के शहरों में सेप्टाज प्रबंधन पर एक होटल में आयोजित कार्यशाला में यह बात कही। सुनीता ने कहा, नगर विकास विभाग और सीएसई स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे और अमृत परियोजना में सेप्टाज प्रबंधन के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं। इसका एमओयू जनवरी में हुआ था। इसमें यूपी जल निगम का भी सहयोग है। बताया कि अमृत मिशन में शामिल 60 कस्बों में नगर विकास विभाग के साथ मिलकर सेप्टेज प्रबंधन और फीकल स्लज ट्रीटमेंट पर कार्य होगा। इसमें एक गाइडलाइन बनेगी, जिससे उसी के अनुसार प्रबंधन हो सके। ब्यूरो